आठवें दशक के प्रस्थान बिन्दु

अखिलेश गुप्ता
शोध-अध्येता, हिन्दी विभाग,
डॉ. हरीसिंह गौर केन्द्रीय विश्वविद्यालय,
सागर (म.प्र.)- 470003

Mobile : 8085913848
Email : akhilesh.src@gmail.com

मुख्य शब्द (Key Words): समकालीन कविता, आठवाँ दशक, मुक्तिबोध, धूमिल, राजकमल चौधरी, कुँवर नारायण, रघुवीर सहाय, प्रस्थान-बिंदु.

सार (Abstract): नयी कविता और समकालीन कविता के बीच बमुश्किल दस से बारह वर्ष के अन्तराल में काव्यप्रवृत्ति को लेकर तमाम संज्ञाएँ प्रचलित होने लगीं, जिससे कविता में नामकरण को लेकर एक होड़-सी मच गयी। स्वयं आलोचक भी फिलवक्त किसी विशेष ढंग की रचनाओं की प्रचुरता की शिनाख्त नहीं कर सके। कविता में मनुष्य जीवन के गतिविधियों की सामूहिक आशा-आकांक्षाओं और सामाजिक मन:स्थितियों की पहचान नहीं हो सकी। कविता में जब यह भटकाव अथवा बिखराव की जो प्रक्रिया चल रही थी, उस समय कुछ समाजचेता कवि नामकरण संबंधी भटकाव की प्रक्रिया से दूर रहकर काव्य में मानवीय हलचलों और उनकी पीड़ाओं को समझते हुए कविता में इसे अभिव्यक्त करने का काम कर रहे थे। आठवें दशक से लेकर अब तक की कविताओं में नामकरण की प्रवृत्ति को लेकर एक ठहाराव लक्षित होता है। काव्यप्रवृत्ति के अन्तर्गत इस ठहराव को हासिल करने और इसे दिशा-निर्धारित करने के लिए, नयी कविता से लेकर आठवें दशक तक की कविता के बीच, मानवीय जीवन में आए बिखराव को दूर करने हेतु एक सुसंगत आशय की कविता में खोज करते हुए कुछेक कवियों ने इस दौरान अपना समग्र जीवन समर्पित कर दिया। समकालीन कविता के प्रस्थान-बिन्दु के अन्तर्गत निश्चय ही इनका योगदान अविस्मरणीय है। प्रस्तुत शोध-आलेख में ऐसे कवियों और उनकी कविताओं को समझने की कोशिश की गयी है।

34. अरुण कमल, 'कविता और समय', वाणी प्रकाशन, नयी दिल्ली, 1999, पृ. 81

35. फरहत परवीन (सं.), 'आजकल' (मासिक), वर्ष : 71, अंक : 8, पूर्णांक : 848, दिसंबर 2015, पृ. 26

36. अरुण कमल, 'कविता और समय', वाणी प्रकाशन, नयी दिल्ली, 1999, पृ. 190

37. सुरेश शर्मा (सं.), 'प्रतिनिधि कविताएँ : रघुवीर सहाय, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली, 1994, पृ. 88

38. कुँवर नारायण, 'आज और आज से पहले', राजकमल प्रकाशन, नयी दिल्ली, 2015, पृ. 214-215

39. रघुवीर सहाय, 'आत्महत्या के विरुद्ध', राजकमल प्रकाशन, नयी दिल्ली, 2005, पृ. 13

40. फरहत परवीन (सं.), 'आजकल' (मासिक), वर्ष : 71, अंक : 8, पूर्णांक : 848, दिसंबर 2015, पृ. 17

41. पंकज चतुर्वेदी, 'भारतीय साहित्य के निर्माता : रघुवीर सहाय', साहित्य अकादेमी, नयी दिल्ली, 2014, पृ. 47

42. अज्ञेय (सं.), 'तीसरा सप्तक', भारतीय ज्ञानपीठ प्रकाशन, वाराणसी, 1959, पृ. 155

43. पंकज चतुर्वेदी, 'जीने का उदात्त आशय', राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली, 2015, पृ. 31

44. वही, पृ. 38

45. कुँवर नारायण, 'शब्द और देशकाल', राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली, 2013, पृ. 52

46. पुरुषोत्तम अग्रवाल, 'प्रतिनिधि कविताएँ : कुँवर नारायण', राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली, 2008, पृ. 71

47. वही, पृ. 70

48. कुँवर नारायण, 'कोई दूसरा नहीं', राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली, 1993, पृ. 70-71

49. वही, पृ. 7